सूरतगढ़ क्षेत्र के 54 गांवों के किसान थर्मल प्लांट के गेट पर बैठे

सिंचाई का पानी नहीं मिलने पर दी प्लांट ठप करने की चेतावनी

सूरतगढ़, (निसं)। श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ में सिंचाई के पानी की मांग अब तूल पकड़ने लगी है। 54 गांव और 3 तहसीलों के किसान विरोध में थर्मल पावर प्लांट के गेट पर बैठ गए हैं और वहां सभा की जा रही है, जिसमें भीषण गर्मी में भी सैकड़ों की संख्या में किसान मौजूद हैं। किसानों ने पहले ही थर्मल पावर प्लांट को ठप करने की चेतावनी दी थी। प्रशासन को वार्ता करने के लिए 1 घंटे का अल्टीमेटम दिया था, जिसके बाद प्रशासन ने किसानों को वार्ता के लिए बुलाया है। किसानों के 11 सदस्यों के दल की एडीएम अरविंद जाखड़, एसडीएम कपिल कुमार, तहसीलदार हाबूलाल मीणा की अध्यक्षता में वार्ता हुई।

सभा के दौरान ऐटा सिंगरासर माइनर संघर्ष समिति के संयोजक राकेश बिश्नोई ने सरकार पर अनदेखी व भेदभाव का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आश्वासन देने के बाद भी ऐटा सिंगरासर माइनर को कमांड घोषित नहीं किया। वहीं नोहर-भादरा क्षेत्र को कमांड घोषित कर दिया। किसानों के पास खेती के अलावा आय का और कोई साधन नहीं है। वार्ता के बाद समिति के संयोजक राकेश बिश्नोई ने कहा कि प्रशासन गंभीर नहीं है। किसी भी मांग पर सहमति नहीं बनी है। अधिकारियों ने कहा कि पानी भी नहीं है, ट्यूबवेल भी नहीं है, कनेक्शन भी नहीं है। इस चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार से सारी मांगें मनवाकर रहेंगे। क्षेत्र को कमांड घोषित करना पड़ेगा और पानी देना पड़ेगा। 25 जून को आर-पार की लड़ाई होगी। यदि नहर से पानी नहीं दिया गया तो इस बार थर्मल पॉवर प्लांट को ठप किया जाएगा।

किसानों का कहना है कि आश्वासन के बाद भी सिंचाई के लिए पानी नहीं दिया जा रहा है। कानौर हेड से ऐटा सिंगरासर माइनर नहर निकाली जाए, ताकि 54 गांवों के किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिल सके। किसानों का कहना है कि इनके पास खेती के अलावा आय का और कोई साधन नहीं है। पीने का पानी भी खारा है। किसानों के बीच भाजपा नेता

- **'सरकार ने आश्वासन देने के बाद भी ऐटा सिंगरासर माइनर को कमांड घोषित नहीं किया'**

अभिषेक मटोरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष बलवीर बिश्नोई, पूर्व विधायक अशोक नागपाल , राकेश बिश्नोई, नरेंद्र घिंटाला, सुभाष सिहाग, सुमित चौधरी सहित अनेक किसान नेता मौजूद है। सूरतगढ़ अएइशिवरतन गोदारा, गंगानगर यातायात शाखा के विक्की नागपाल, तहसीलदार व कार्यपाल मजिस्ट्रेट हाबूलाल मीणा, कपिल कुमार सहित पुलिस जाब्ता मौके पर तैनात हैं।

पूर्व में हुए समझौते के अनुसारसरप्लस पानी को सिंचाई के उपलब्ध करवाया जाएगा। इंदिरा गांधी नहर में सरप्लस 1250 क्यूसेक पानी सरप्लस हो गया। इसके बावजूद सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं कराया गया था। जून 2017 में फिर कानौर हेड में किसानों के प्रदर्शन के दौरान किसानों को आश्वासन दिया गया था कि ऐटा सिंगरासर माइनर के तहत कृषि कनेक्शन दे दिए जाएंगे। किसानों को अपने स्तर पर बोरवेल करवाने पड़ेंगे। 2500 से अधिक किसानों को कृषि कनेक्शन दे दिए गए था।

जून 2019 में धरने के समय कहा गया कि नहर की रीलाइनिंग चल रही है। इसके बाद सरप्लस पानी सिंचाई के लिए उपलब्ध करवाया जाएगा। जिसके बाद नोहर-भादरा क्षेत्र को सरकार ने कमांड घोषित किया है लेकिन ऐटा सिंगरासर माइनर को सरकार ने कमांड घोषित नहीं किया। जून 2022 तक भी ऐटा सिंगरासर माइनर सिंचाई का पानी नहीं मिलने पर आज किसान फिर एकजुट हुए है। इससे पहले किसानों ने सूरतगढ़ थर्मल पावर प्लांट को ठप करने की चेतावनी दी थी।

चन्द्रा के प्रस्तावक ही भाजपा विधायक तो फिर वह निर्दलीय कैसे: डोटासरा

डोटासरा सहित 6 और विधायक पहुंचे कांग्रेस की बाड़ाबंदी में

उदयपुर, (कासं)। राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की बाड़ाबंदी में शनिवार को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ दो मंत्री और तीन विधायक उदयपुर पहुंचे। इन्हें मिलाकर अब तक कांग्रेस की बाड़ाबंदी में 100 विधायक एवं मंत्री पहुंच चुके हैं इधर बाड़ाबंदी को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने प्रशिक्षण शिविर का नाम दिया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का शनिवार को उदयपुर पहुंचने का कार्यक्रम अंतिम समय पर स्थगित हो गया। संभवतया वे रविवार को उदयपुर आयेंगे।

महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने डोटासरा के साथ मंत्रियों और विधायकों का स्वागत किया। इस मौके पर डोटासरा ने एक बार फिर राज्यसभा के निर्दलीय उम्मीदवार सुभाष चन्द्रा पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि चंद्रा ने निर्दलीय फार्म भरा लेकिन उनके प्रस्तावक भाजपा के विधायक हैं। इससे यह स्पष्ट है कि वे भाजपा के प्रत्याशी है लेकिन विधायकों सहित प्रदेश की आम जनता को गुमराह करने के लिए इस तरह नाटक रचा जा रहा है।

डोटासरा ने विधायकों की नाराजगी और उनके द्वारा दिए बयानों पर कहा कि कांग्रेस सहित सभी निर्दलीय विधायक उनके साथ हैं और उन्होंने कोई कार्य मुख्यमंत्री के सामने रखा है तो वह गलत नहीं है। अपनी बात को रखना सभी का हक है। ऐसे में मुख्यमंत्री गहलोत सभी से बातचीत कर रहे हैं लेकिन मनमुटाव जैसी कोई बात नहीं है। इधर बसपा के विधायकों को लेकर पूछे गए सवाल पर डोटासरा ने कहा कि वे अब कांग्रेस के विधायक हैं इसलिए उन्होंने जो भी बात मुख्यमंत्री के सामने कही है वे सभी कार्य पूरे होंगे लेकिन वे सभी विधायक पूर्ण रूप से कांग्रेस के साथ है।

डोटासरा के उदयपुर पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब दिया।

शनिवार को मीडियाकर्मियों ने एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को कई तरह के कार्य हो सकते है लेकिन वह एक दिन बाद आ जाऐंगे। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा डोटासरा के साथ मंत्री लालचंद कटारिया, राजेंद्र यादव, कांग्रेस विधायक अमीन कागजी, रीटा चौधरी और निर्दलीय विधायक रामकेश मीणा शनिवार को उदयपुर पहुंचे। इससे पहले 90 से ज्यादा विधायक ताज अरावली में ठहरे हुए हैं। इनमें कांग्रेस के अलावा कई निर्दलीय और एक बसपा के विधायक भी शामिल हैं। ये सभी विधायक 9 जून तक ताज अरावली में ही रहेंगे। हालांकि अभी भी तीनों सीटों के लिए आवश्यक विधायकों में से लगभग 23 विधायकों का उदयपुर आना बाकी है।

- **कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने किसी बाड़ाबंदी से इंकार करते हुए कहा की राज्यसभा चुनाव के लिए यह एक प्रशिक्षण शिविर है जिसमे कांग्रेस और उसके समर्थक सहभागिता कर रहे हैं**
- **मुख्यमंत्री गहलोत का शनिवार को उदयपुर पहुँचने का कार्यक्रम स्थगित, संभवतया आज उदयपुर आयेंगे**

समय पर प्रेक्टिकल अंक नहीं भेजे जाने से सभी छात्राऐं फेल करार, एक साल बर्बाद

झुंझुनूं, (निसं)। चिड़ावा के एक निजी बीएड कॉलेज की लापरवाही के चलते छात्राओं का भविष्य खतरे में पड़ गया है। आरोप है कि महाविद्यालय द्वारा समय पर प्रेक्टिकल अंक नहीं भेजे जाने पर सभी छात्राओं को फेल करार दिया गया है। इस संबंध में छात्राओं ने सीकर में शेखावाटी यूनिवर्सिटी पहुंच धरना प्रदर्शन किया तथा कुलपति के नाम रजिस्ट्रार को महाविद्यालय के खिलाफ ज्ञापन सौंपा।

छात्राओं ने बताया कि वे चिड़ावा में स्थित कॉलेज ने बीएड इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम-2021 में अध्ययनरत हैं। सभी का प्रेक्टिकल इस महाविद्यालय में हुआ और सभी छात्राएं प्रैक्टिकल एग्जाम में उपस्थित थी। लेकिन कॉलेज प्रशासन की ओर से लापरवाही के चलते इन्होंने प्रैक्टिकल अंक संबंधित शेखावाटी यूनिवर्सिटी को तय समय पर नहीं भेजें। जिससे यूनिवर्सिटी ने

आक्रोशित छात्राओं ने शेखावाटी यूनिवर्सिटी पहुंच धरना प्रदर्शन किया।

रिजल्ट में सभी को अनुपस्थित मानते हुए फेल करार दिया। इस दौरान दर्जनों छात्राऐं मौजूद रहीं। छात्राओं का कहना है कि संचालक ने उन्हें पूर्व विद्यार्थी के रूप परीक्षा फॉर्म लगाने की बात कही है। और उन्होंने दावा किया कि वो उन्हें अगली कक्षा में करवा देंगे। जबकि यूनिवर्सिटी की मानें तो पूर्व विद्यार्थी के रूप में वहीं फॉर्म लगा सकता है जो फेल हो चुका है और दुबारा उसी कक्षा को पास आउट करने के लिए फॉर्म लगाए।

डॉ. रवींद्र कटेवा, परीक्षा निदेशक, शेखावाटी यूनिवर्सिटी,सीकर का कहना है कि कॉलेज को अंतिम तिथि तक काफी बार अवगत कराया जा चुका है। बावजूद इसके इन्होंने विद्यार्थियों के अंक नहीं भेजे। इसलिए यह रिजल्ट घोषित किया गया।

रिंकू मान, छात्रा का कहना है कि हमने समय पर प्रैक्टिकल फीस और फाइल जमा करवा दी थी बावजूद इसके हमें अनुपस्थित दिखाया गया है।''

पंकज गुर्जर, जिलाध्यक्ष एसएसआई कॉलेज प्रशासन की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अन्यथा धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

नीटू फोगाट, पूर्व छात्रासंघ अध्यक्ष, महिला कॉलेज का कहना है कि छात्राओं का भविष्य बर्बाद करने वाली कॉलेज के खिलाफ ठोस कार्रवाई होनी चाहिए। इसके लिए आगे आएंगे।

- **चिड़ावा के निजी बीएड कॉलेज की लापरवाही की सजा मिलेगी छात्राओं को**

एफआईआर दर्ज

अलवर, (निसं.)। दलित शोषण मुक्ति मंच (डीएसएमएम) के प्रदेश सह संयोजक डॉ.रमेश बैरवा के नेतृत्व में 3 जून को प्रतिनिधिमंडल ने अलवर जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जाति पूछ कर दलित परिवार के भोजन को कुत्तों और जानवरों के लिए कूड़े में फेंक देने वाले भागवत कथावाचक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की मांग की।

एफआईआर में लिखा है कि कथावाचक पंडित ने जाति पूछी तो इन्होंने अपनी जाति जाटव बताई। इसके बाद कथावाचक ने इस भोजन को कुत्तों और जानवरों के लिए कहकर कूड़े में फेंक दिया। डीएसएमएम का पुरजोर मानना है कि यह कोई सामान्य घटना नहीं है। कथावाचक का यह कृत्य हिंदू समुदाय में जाति के आधार पर आज भी व्याप्त छुआछूत एवं ऊंचनीच की घृणित मानसिकता का ज्वलंत सबूत है। भागवत कथा के जरिए स्वयं पंडित का ऐसा बर्ताव सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने वाला भी है। कथावाचक के इस व्यवहार से पूरा परिवार अपने आप को व्यथित महसूस कर रहा है।

फर्नीचर फैक्ट्री में लगी आग, करोड़ों का सामान राख

अलवर, (निसं)। नीमराना के इंडियन जोन स्थित हीना क्राफ्ट कंपनी में शुक्रवार देर रात अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। घटना की सूचना आसपास के लोगों ने नीमराना पुलिस को दी। मौके पर नीमराना रीको की दमकल गाड़ी पहुंची। लेकिन फैक्ट्री में आग भीषण लगने के कारण बहरोड़, कोटपुतली, बावल, खैरथल व अन्य जगह से भी दमकल की गाड़ियां बुलाई गई। वहीं कड़ी मशक्कत के बाद दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

थाना प्रभारी प्रेम प्रकाश ने बताया कि शुक्रवार देर रात करीब साढे दस बजे सूचना मिली कि इंडिया जोन में स्थित हिना क्राफ्ट कम्पनी में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर कंपनी में कोई मजदूर तो कार्य नहीं कर रहे इसका पता लगाया और दमकल कर्मियों को आग की घटना की सूचना दी। आग से फैक्ट्री में करोडों रूपए के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। लेकिन पुष्टि जांच के बाद ही हो पाएगी। वहीं फैक्ट्री में जिस समय आग लगी थी इस दौरान वहां पर आग बुझाने के लिए कोई भी संसाधन भी नहीं थे।

इंडियन जोन औद्योगिक क्षेत्र फीडर इंचार्ज सतीश यादव ने बताया कि हिना क्राफ्ट फैक्ट्री में आग लगी थी। उसके पास ही बिजली विभाग का पॉवर हाउस भी स्थित है। ऐसे में उन्हें ये डर सता रहा था कि फैक्ट्री की आग लकडियों के लगती हुई कहीं पॉवर हाउस में न लग जाए। वहीं सूचना पर जापानी जोन औद्योगिक क्षेत्र के कनिष्ठ अभियंता डीपी सिंह ने बिजली बोर्ड पहुंचकर बिजली बोर्ड की स्थिति के बारे में जानकारी जुटाई। फैक्ट्री में आग लगने से 50 प्रतिशत से अधिक तैयार फर्नीचर व लकड़ियां जलकर नष्ट हो गई। वहीं अन्य लकड़ियां व फर्नीचर दमकल कर्मियों व पुलिस कर्मियों की सूझबूझ से बच गई।

राजस्थान हाईकोर्ट: प्रतितोष आयोग का अध्यक्ष पद रिक्त, बैठक में विचार विमर्श

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेटस एसोसियेशन, जोधपुर के पदाधिकारियों की बैठक अध्यक्ष नाथुसिंह राठौड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। अध्यक्ष नाथुसिंह राठौड ने बताया कि आज आयोजित बैठक में राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग का अध्यक्ष पद रिक्त होने से मुवकिलों को न्याय प्राप्ति में हो रही देरी पर विचार विमर्श करते हुए मुख्य सचिव राजस्थान सरकार एवं सचिव खाद्य एवं नागरिक अपूर्ति व उपभोगता मामलात विभाग जयपुर को ज्ञापन प्रेषित किया गया।

ज्ञापन में मांग की गई कि राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग अध्यक्ष बनवारी लाल शर्मा का कार्यकाल गत 6 मई को पूर्ण हो गया और नियमानुसार राज्य सरकार को उनकी सेवा अवधि समाप्ति से छह माह पूर्व यानी गत नवंबर माह में ही अध्यक्ष पद को भरने की प्रक्रिया प्रारंभ कर विज्ञापन जारी करवाना था, लेकिन खाद्य एवम नागरिक आपूर्ति विभाग, जिसके जिम्मे उपभोक्ता आयोग का समस्त कामकाज है,की ओर से अभी तक रिक्त हुए अध्यक्ष पद को भरने की कोई प्रक्रिया प्रारंभ ही नहीं की गई है जिससे उपभोगता मामलों के निस्तारण में देरी हो रही है।

उपभोक्ता संरक्षण नियम 2020 में यह प्रावधान किया गया है कि राज्य सरकार द्वारा नियुक्ति की प्रक्रिया पद रिक्त होने से कम से कम छह माह पूर्व आरंभ की जाएगी और इसके वास्ते रिक्तियों का आवेदन आमंत्रित करने के वास्ते विज्ञापन को प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित कराया जाएगा लेकिन अभी तक इस संदर्भ में कोई कार्यवाही प्रारम्भ नहीं की गई है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों को यह निर्देश दिए जाने कि उपभोक्ता आयोगों में अध्यक्ष और सदस्य पद रिक्त होने के छह माह पूर्व से उनको भरने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी जानी चाहिए, जिससे कि पद रिक्त होने की वजह से न्याय में देरी न हो और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम का उद्देश्य समाप्त न हो। परंतु राज्य सरकार के खाद्य एवम नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलात विभाग पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

इस संदर्भ में मांग की गई कि राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में अध्यक्ष पद पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार शीघ्र नियुक्ति किये जाने का कार्यवाही करावें जिससे मुवकिलों को त्वरित न्याय की प्राप्ति हो सके। बैठक में अध्यक्ष नाथुसिंह राठौड़, उपाध्यक्ष रतनाराम ठोलिया, महासचिव दर्शनराम, सहसचिव कैलाश कुमार प्रजापत, पुस्तकालय सचिव भगवती पंवार, कोषाध्यक्ष कंवरलाल विश्नोई अधिवक्ता सहित अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

चोरी के दो शातिर आरोपी गिरफ्तार

फुलेरा, (निसं.)। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक मनीष अग्रवाल के द्वारा अवैध गतिविधियों की रोकथाम एवं वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत ॐ गठित टीम ने तुरन्त कार्रवाई करते हुए चोरी करने के दो शातिर आरोपियों को मात्र 24 घंटे में ही गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी रघुवीर सिंह राठौड़ ने बताया कि फुलेरा में रेलवे ऑवर ब्रिज 0.01 के चल रहे निर्माण कार्य के पास से 1 जून 2022 की रात्रि को अज्ञात चोरों के द्वारा 20 एम एम के लोहे के सरिये काटकर चोरी कर ले जाने का मामला थाने पर 2 जून को दर्ज करवाया गया। पुलिस टीम ने विक्रम पुत्र कैलाश चन्द जाति सांसी व विष्णु पुत्र इंद्रजीत जाति सांसी उम्र 20 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

हाईकोर्ट ने परीक्षा रद्द कर राज्य सरकार को सौंपा नाकारापन का सर्टिफिकेट: देवनानी

अजमेर, (कास)। पेपर लीक के चलते कनिष्क न्यायायिक सहायक, कनिष्क सहायक एवं क्लर्क भर्ती परीक्षा रद्ध होने पर पूर्व शिक्षा मंत्री एवं वर्तमान अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने राज्य सरकार को आडे हाथों लिया। देवनानी ने कहा कि प्रदेश में सालभर के दौरान पांच बड़ी प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित हुई, जिसमें से एक कनिष्क न्यायायिक सहायक, कनिष्क सहायक एवं क्लर्क भर्ती परीक्षा को पेपर लीक होने के चलते हाईकोर्ट को रद्ध करना पड़ा। हाईकोर्ट द्वारा यह बडी भर्ती परीक्षा रद्ध करना कहीं न कहीं राज्य सरकार को नाकारापन का सर्टिफिकेट है। प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ हो रहे खुलमखुल्ला खिलवाड़ को रोक सकने में नाकाम नाकारा सरकार को सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है।

देवनानी ने कहा कि कांग्रेस सरकार प्रश्न-पत्र लीक मामलों में नया कीर्तिमान स्थापित करती जा रही है। गत 1 वर्ष में प्रदेश में एसआई, रीट, जेईएन, पुस्तकालय अध्यक्ष ग्रेड-3 और कनिष्क न्यायायिक सहायक, कनिष्क सहायक एवं क्लर्क इत्यादि आधा दर्जन प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन हुआ। हर एक परीक्षा का पेपर आउट होने के समाचार सामने है। चौकाने वाली बात तो यह है कि जो कार्य राज्य सरकार को करना चाहिए था वह उच्च न्यायालय को करना पड़ा। साल भर में आयोजित परीक्षाओं में साफ तौर पर प्रश्न-पत्र लीक के प्रमाण मिल चुके है फिर भी राज्य सरकार अब तक पेपरों को लीक घोषित करने से बच रही है।

उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार और उसमें बैठी बड़ी 'मुर्गियों' की मिलीभगत के चलते पेपर लीक प्रकरण से जुड़े गिरोह के हौंसले बुलंद हैं। लीक प्रकरण के अहम दोषी आज भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। रीट परीक्षा प्रश्न पत्र लीक प्रकरण के अहम दोषी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष जारौली आज भी फरार चल रहे हैं। राज्य सरकार इन सभी प्रकरणों की निष्पक्ष सीबीआई जांच कराए तो काला सच सबके सामने आना तय है।

17 क्विंटल अफीम व डोडा-चूरा जब्त, एक गिरफ्तार

आरोपी सीमेंट की आड़ में ट्रेलर में कर रहे थे डोडा-चूरा परिवहन

निंबाहेड़ा, (निसं)। निंबाहेड़ा में पुलिस ने शनिवार को कार्यवाही करते हुए सीमेंट की आड में ट्रेलर में डोडा-चूरा परिवहन करते एक आरोपी गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़ प्रीति जैन द्वारा अवैध मादक पदार्थ की धरपकड़ व रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत कैलाश चन्द सांदू अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) चित्तौड़गढ़ व आशीष कुमार पुलिस उप अधीक्षक वृत निम्बाहेड़ा के निर्देशन में तुलसीराम पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी सदर निम्बाहेडा मय टीम एन.डी.पी.एस. एक्ट में वांछित अभियुक्त की तलाश करता हुए सिदवंडी चौराहे सरहद रावलिया पहुंची।

इस दौरान सिंदवड़ी की तरफ से एक ट्रेलर को रोकना का ईशारा किया।इस दौरान ट्रेलर चालक पुलिस को देखकर ने ट्रेलर को चित्तौड़गढ़ की तरफ भागने लगा। ट्रेलर संदिग्ध प्रतीत होने से तत्काल उक्त ट्रेलर के आगे गाडी लगा ट्रेलर को

सदर थाना पुलिस ने डोडा-चूरा को जब्त किया।

रोका गया। चालक से पूछताछ करने पर चालक ने अपना नाम खेमाराम पिता रूपाराम जाति जाट उम्र 27 साल निवासी कुण्डावा थाना धोरीमना जिला बाडमेर (राज.) होना बताया।

ट्रेलर को खोलकर देखा तो अन्दर सीमेन्ट के भरे हुये कट्टों के नीचे बीच में प्लास्टिक के काले कुल 83 कट्टे मिलें जिनमें अवैध अफीम डोडा-चूरा होना पाया गया। उक्त 83 प्लास्टिक के कट्टों का तौल करने पर कट्टों में भरे अवैध अफीम डोडा-चूरा का कुल वजन 17 क्विंटल 67 किलोग्राम पाया गया।। उक्त अफीम डोडा चूरा, सीमेंट के कट्टो व ट्रेलर को जब्त किया आरोपी खेमाराम को गिरफ्तार किया गया। बताया गया की एन.डी.पी.एस. एक्ट में प्रकरण पंजीबद्ध कर अवैध अफीम डोडा चूरा खरीद फरोख्त के संबंध में अठिाम अनुसंधान कैलाशचन्द्र सोनी पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी थाना कोतवाली निम्बाहड़ा द्वारा किया जा रहा है।

अजमेर डिस्कॉम ने 1657 जगह बिजली चोरी पकड़ी

अजमेर, (कास)। अजमेर डिस्कॉम की टीम ने एक साथ 9174 जगहों पर छापा मारा। इनमें 1657 जगहों पर बिजली चोरी तथा 404 जगहों पर बिजली के दुरूपयोग के मामले सामने आए। इन पर 4.45 करोड़ रूपये जुर्माना लगाया गया है।

निगम के प्रबन्ध निदेशक एनएस निर्वाण ने बताया कि निगम की ओ एण्ड एम व विजिलेंस शाखा के अलावा मीटर एण्ड प्रोटेक्शन शाखा के अभियंताओं को भी सतर्कता जांच करने के लिए निर्देशित किया गया है। निगम ने इनके विरुद्ध 4.45 करोड़ रूपये का जुर्माना लगाया है। डिस्कॉम की टीम को यह बड़ी सफलता मिली है। निर्वाण ने बताया कि डिस्कॉम की टीम में सबसे अधिक झुंझुनू जिले के अभियंताओं ने 256 विद्युत चोरी के मामले पकड़े जिन पर 48.43 लाख रूपये जुर्माना लगाया। इसके अतिरिक्त अजमेर शहर वृत में 13 मामलों पर 2.05 लाख, अजमेर जिलावृत में 26 मामलों पर 3.42 लाख, भीलवाड़ा में 47 मामलों पर 25.22 लाख सहित कई जिलों में जुर्माना लगाया है। आने वाले समय में अभियान को और गति दी जाएगी।

दहेज में मोटरसाइकिल नहीं मिलने पर विवाहिता को पीट-पीट कर मार डाला

मोटरसाइकिल पर शव लेकर जा रहे थे, ग्रामीणों ने पकड़ा

भरतपुर, (निसं) । भरतपुर जिले के चिकसाना थाना इलाके में रहने वाले दहेज के लोभियों ने मोटरसाइकिल नहीं मिलने के कारण एक 23 साल की महिला को मौत के घाट उतार दिया। महिला के पिता का आरोप है कि उनकी बेटी की ससुराल वालों ने जमकर पिटाई की जिससे उसकी मौत हो गई। ससुराल वाले महिला का शव जलाने के लिए शव को मोटरसाइकिल पर लेकर जा रहे थे। तभी ग्रामीणों ने उन्हें पकड़ लिया और पुलिस को बुलाकर महिला के पति और उसके जेठ को पुलिस के हवाले कर दिया।

घटना बछामदी गांव की है, मथुरा जिले के बाजना इलाके की रहने वाली दो बहनें हेमा 26 साल और छोटी बहन सुधा 23 साल की शादी 5 साल पहले चंदन और गोविंद से हुई थी, दोनों भाई मजदूरी करते हैं। दोनों लड़कियों के पिता ने दहेज में बेटियों को अलग-अलग सामान दिया, लेकिन

चिकसाना के गांव बछामदी में महिलाओं का रो-रो कर बुरा हाल है।

मोटरसाइकिल एक ही दी। हेमा तो शादी के बाद ससुराल आ गई लेकिन उस समय सुधा की उम्र 19 साल थी । इसलिए पिता ने सुधा का गौना कर उसे डेढ़ साल पहले ही ससुराल भेजा, 1 महीने पहले सुधा का पति गोविंद अपनी पत्नी से मोटरसाइकिल की मांग करने लगा, वह उसे मारने पीटने लगा, सुधा ने अपने पिता को घटना के बारे में बताया जिसके बाद पिता ने कहा कि वह सुधा के पति को किश्तों पर लेकर मोटरसाइकिल दिला देगा। इसी बीच हेमा के पति ने हेमा की पिटाई कर दी और उसे पीहर छोड़कर चला गया।

सुधा के पति गोविंद ने फिर से सुधा की पिटाई की और उसके पिता लक्ष्मण को फोन किया, गोविंद ने लक्ष्मण से कहा कि वह या तो मोटरसाइकिल लेकर आए या फिर 1 लाख रुपए लेकर आए। सुधा के पिता गोविंद किसी काम से फरीदाबाद गए हुए थे । सुधा के पिता ने कई बार अपनी बेटी को फोन किया लेकिन सभी के फोन बंद आ रहे थे।

शाम के समय गोविंद के जीजा ने सुधा के पिता लक्ष्मण को फोन कर कहा कि आपकी बेटी खत्म हो गई है। ग्रामीणों की सूचना पर चिकसाना थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर दोनों भाइयों को हिरासत में ले लिया। जब सुधा के पिता बेटियों की ससुराल पहुंचे तो पता लगा उनकी बेटी का शव पुलिस के कब्जे में है, आज शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव सुधा के परिजनों को सौंप दिया गया। सुधा के पिता ने अपनी बेटी की दहेज हत्या का मामला दर्ज करवाया है।